

# DIVINE ASTRO

## सम्पूर्ण वैदिक जीवन कुंडली महाग्रन्थ

Sample Customer

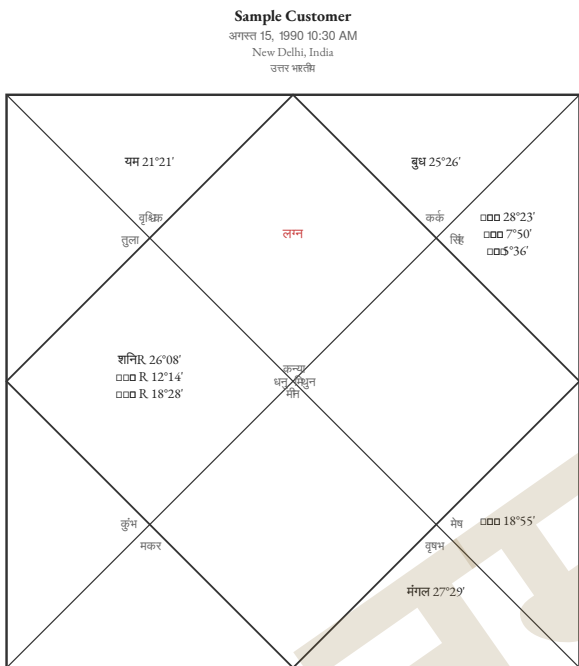
|            |                                |
|------------|--------------------------------|
| जन्म समय   | 15 August 1990, 10:30          |
| जन्म स्थान | New Delhi, India               |
| पद्धति     | sidereal / lahiri / Whole Sign |
| दिनांक     | 09 October 2026                |



## जन्म विवरण

जन्म समय 15 August 1990, 10:30  
जन्म स्थान New Delhi, India  
पद्धति sidereal / lahiri / Whole Sign  
लग्न राशि कन्या  
चंद्र राशि वृषभ

## लग्न कुंडली (D1)

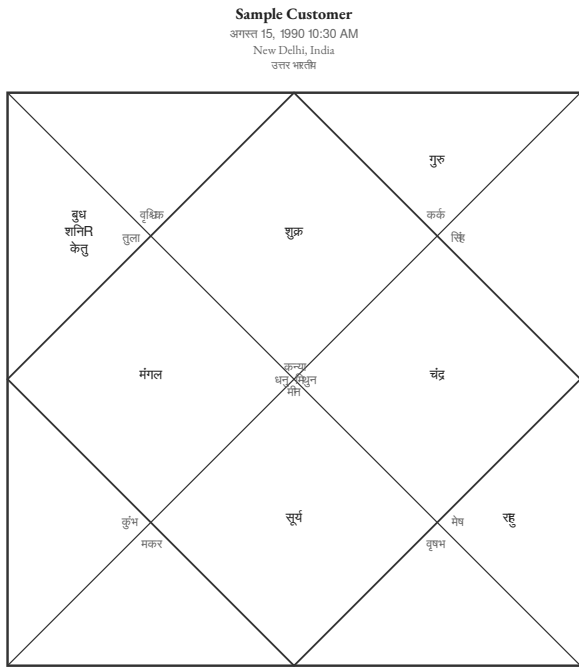


उत्तर भारतीय शैली

|                                            |   |                                                                                 |             |           |      |           |   |                                   |    |
|--------------------------------------------|---|---------------------------------------------------------------------------------|-------------|-----------|------|-----------|---|-----------------------------------|----|
| मीन                                        | 7 | मेघ                                                                             | मंगल 27°29' | 8         | वृषभ | ०० 18°55' | 9 | मिथुन                             | 10 |
| कुंभ                                       | 6 | Sample Customer<br>अगस्त 15, 1990 10:30 AM<br>New Delhi, India<br>दक्षिण भारतीय |             |           |      |           |   | कर्क                              | 11 |
| मकर                                        | 5 |                                                                                 |             |           |      |           |   | ०० 28°23'<br>०० 7°50'<br>०० 5°36' | 12 |
| धनु                                        | 4 |                                                                                 |             |           |      |           |   | सिंह                              | 12 |
| शनि R 26°08'<br>०० R 12°14'<br>०० R 18°28' | 4 | वृश्चिक                                                                         | 3           | तुला      | 2    | कन्या     | 1 | बुध 25°26'                        | 1  |
| ०० 18°55'                                  |   |                                                                                 |             | सम 21°21' |      |           |   |                                   |    |
| मंगल 27°29'                                |   |                                                                                 |             |           |      |           |   |                                   |    |

दक्षिण भारतीय शैली

## नवमांश कुंडली (D9)



उत्तर भारतीय शैली



दक्षिण भारतीय शैली

## ग्रह स्थिति विवरण

| BODY         | SIGN  | DEGREE | HOUSE | PLACEMENT | DIGNITY                   |
|--------------|-------|--------|-------|-----------|---------------------------|
| मंगल         | मेष   | 27°29' | 8     | पणफर      | स्वराशि                   |
| चंद्रमा      | वृषभ  | 18°56' | 9     | आपोक्लिम  | उच्च                      |
| बृहस्पति     | कर्क  | 5°36'  | 11    | पणफर      | उच्च                      |
| शुक्र        | कर्क  | 7°51'  | 11    | पणफर      | triplicity_ruler, सीमा बल |
| सूर्य        | कर्क  | 28°24' | 11    | पणफर      | बलहीन (अनाश्रित)          |
| बुध          | सिंह  | 25°27' | 12    | आपोक्लिम  | बलहीन (अनाश्रित)          |
| यम           | तुला  | 21°21' | 2     | पणफर      | —                         |
| अरुण (वक्री) | धनु   | 12°15' | 4     | केंद्र    | —                         |
| वरुण (वक्री) | धनु   | 18°28' | 4     | केंद्र    | —                         |
| शनि (वक्री)  | धनु   | 26°09' | 4     | केंद्र    | सहभागी स्वामी             |
| केतु (वक्री) | कर्क  | 13°30' | 11    | पणफर      | —                         |
| राहु         | मकर   | 13°30' | 5     | पणफर      | —                         |
| दशम भाव      | मिथुन | 29°58' | 10    | केंद्र    | —                         |
| लग्न         | कन्या | 28°43' | 1     | केंद्र    | —                         |
| चतुर्थ भाव   | धनु   | 29°58' | 4     | केंद्र    | —                         |
| सप्तम भाव    | मीन   | 28°43' | 7     | केंद्र    | —                         |

## भाव स्थिति विवरण

| HOUSE | SIGN ON CUSP | CUSP  | स्वराशि (स्वामी) | OCCUPANTS                    |
|-------|--------------|-------|------------------|------------------------------|
| 1     | कन्या        | 0°00' | बुध              | —                            |
| 2     | तुला         | 0°00' | शुक्र            | यम                           |
| 3     | वृश्चिक      | 0°00' | मंगल             | —                            |
| 4     | धनु          | 0°00' | बृहस्पति         | अरुण, वरुण, शनि              |
| 5     | मकर          | 0°00' | शनि              | राहु                         |
| 6     | कुंभ         | 0°00' | शनि              | —                            |
| 7     | मीन          | 0°00' | बृहस्पति         | —                            |
| 8     | मेष          | 0°00' | मंगल             | मंगल                         |
| 9     | वृषभ         | 0°00' | शुक्र            | चंद्रमा                      |
| 10    | मिथुन        | 0°00' | बुध              | —                            |
| 11    | कर्क         | 0°00' | चंद्रमा          | बृहस्पति, शुक्र, केतु, सूर्य |
| 12    | सिंह         | 0°00' | सूर्य            | बुध                          |

## प्रमुख दृष्टि योग

| BODY     | ASPECT                | BODY     | ORB   | MOTION               |
|----------|-----------------------|----------|-------|----------------------|
| शुक्र    | युति                  | बृहस्पति | 2°14' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| सूर्य    | केंद्र दृष्टि (90°)   | मंगल     | 0°54' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| बुध      | त्रिकोण दृष्टि (120°) | शनि      | 0°42' | प्रवेशी (बनती हुई)   |
| मंगल     | त्रिकोण दृष्टि (120°) | शनि      | 1°20' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| बुध      | त्रिकोण दृष्टि (120°) | मंगल     | 2°02' | प्रवेशी (बनती हुई)   |
| शनि      | केंद्र दृष्टि (90°)   | लग्न     | 2°34' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| शनि      | प्रतियुति (180°)      | दशम भाव  | 3°49' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| सूर्य    | षष्ठक दृष्टि (60°)    | लग्न     | 0°19' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| बृहस्पति | युति                  | दशम भाव  | 5°39' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| शुक्र    | युति                  | केतु     | 5°40' | प्रवेशी (बनती हुई)   |
| मंगल     | षष्ठक दृष्टि (60°)    | दशम भाव  | 2°28' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| वरुण     | षष्ठक दृष्टि (60°)    | यम       | 2°53' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| शुक्र    | प्रतियुति (180°)      | राहु     | 5°40' | प्रवेशी (बनती हुई)   |
| अरुण     | युति                  | वरुण     | 6°13' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| चंद्रमा  | त्रिकोण दृष्टि (120°) | राहु     | 5°26' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| मंगल     | प्रतियुति (180°)      | यम       | 6°08' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| बुध      | षष्ठक दृष्टि (60°)    | यम       | 4°06' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| बुध      | षष्ठक दृष्टि (60°)    | दशम भाव  | 4°31' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| चंद्रमा  | केंद्र दृष्टि (90°)   | बुध      | 6°31' | प्रवेशी (बनती हुई)   |
| शनि      | षष्ठक दृष्टि (60°)    | यम       | 4°48' | प्रवेशी (बनती हुई)   |
| बृहस्पति | केंद्र दृष्टि (90°)   | लग्न     | 6°54' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| सूर्य    | केंद्र दृष्टि (90°)   | यम       | 7°02' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| चंद्रमा  | षष्ठक दृष्टि (60°)    | केतु     | 5°26' | निर्गामी (टूटती हुई) |

| BODY  | ASPECT                | BODY    | ORB   | MOTION               |
|-------|-----------------------|---------|-------|----------------------|
| बुध   | त्रिकोण दृष्टि (120°) | वरुण    | 6°59' | निर्गामी (टूटती हुई) |
| शनि   | युति                  | वरुण    | 7°41' | प्रवेशी (बनती हुई)   |
| शुक्र | युति                  | दशम भाव | 7°53' | निर्गामी (टूटती हुई) |

### सर्वाष्टकवर्ग एवं भिन्नाष्टकवर्ग चक्र (337 बिंदु)

| राशि    | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | कुल योग |
|---------|-------|-------|------|-----|------|-------|-----|---------|
| मेष     | 3     | 4     | 3    | 3   | 6    | 6     | 3   | 28      |
| वृषभ    | 4     | 7     | 4    | 5   | 7    | 5     | 5   | 37      |
| मिथुन   | 4     | 4     | 5    | 6   | 3    | 4     | 5   | 31      |
| कर्क    | 6     | 3     | 4    | 5   | 4    | 4     | 4   | 30      |
| सिंह    | 3     | 2     | 1    | 4   | 4    | 4     | 2   | 20      |
| कन्या   | 1     | 3     | 3    | 3   | 5    | 5     | 2   | 22      |
| तुला    | 5     | 5     | 4    | 6   | 4    | 4     | 3   | 31      |
| वृश्चिक | 3     | 4     | 3    | 3   | 5    | 3     | 2   | 23      |
| धनु     | 6     | 3     | 5    | 7   | 3    | 4     | 3   | 31      |
| मकर     | 5     | 4     | 2    | 3   | 6    | 3     | 3   | 26      |
| कुंभ    | 4     | 7     | 3    | 5   | 5    | 5     | 4   | 33      |
| मीन     | 4     | 3     | 2    | 4   | 4    | 5     | 3   | 25      |

एकादश भाव (आय/लाभ) में 30 बिंदु हैं जबकि द्वादश भाव (व्यय) में 20 बिंदु हैं। आय व्यय से अधिक रहने के शुभ संकेत हैं।

### वर्ग कुंडली स्थिति चक्र

| OBJECT   | D1 (RASHI) | D3      | D7    | D9 (NAV) | D10 (DAS) | D12 (DVAD) |
|----------|------------|---------|-------|----------|-----------|------------|
| सूर्य    | कर्क       | मीन     | कर्क  | मीन      | धनु       | मिथुन      |
| चंद्रमा  | वृषभ       | कन्या   | मीन   | मिथुन    | कर्क      | धनु        |
| मंगल     | मेष        | धनु     | तुला  | धनु      | मकर       | कुंभ       |
| बुध      | सिंह       | मेष     | मकर   | वृश्चिक  | मेष       | मिथुन      |
| बृहस्पति | कर्क       | कर्क    | कुंभ  | सिंह     | मेष       | कन्या      |
| शुक्र    | कर्क       | कर्क    | कुंभ  | कन्या    | वृषभ      | तुला       |
| शनि      | धनु        | सिंह    | मिथुन | वृश्चिक  | सिंह      | तुला       |
| राहु     | मकर        | वृषभ    | तुला  | वृषभ     | मकर       | मिथुन      |
| केतु     | कर्क       | वृश्चिक | मेष   | वृश्चिक  | कर्क      | धनु        |
| लग्न     | कन्या      | वृषभ    | कन्या | कन्या    | कुंभ      | सिंह       |

### कुंडली में स्थित महत्वपूर्ण योग

| योग का नाम | श्रेणी | संबद्ध ग्रह    | प्रभाव / शास्त्रीय फल                                                                 |
|------------|--------|----------------|---------------------------------------------------------------------------------------|
| धन योग     | धन योग | चंद्रमा, शुक्र | त्रिकोण (नवम) और लाभ (एकादश) भाव के स्वामियों के मध्य संबंध से शुभ धन योग बनता है, जो |

| योग का नाम | श्रेणी           | संबद्ध ग्रह                                     | प्रभाव / शास्त्रीय फल                                                                                                                                   |
|------------|------------------|-------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|            |                  |                                                 | जीवन में निरंतर आय, संपत्ति और समृद्धि की वृद्धि कराता है।                                                                                              |
| राजयोग     | राजयोग           | बृहस्पति, शुक्र                                 | केंद्र और त्रिकोण के स्वामियों का शुभ युति या दृष्टि संबंध राजयोग का निर्माण करता है, जो उच्च अधिकार, करियर में उन्नति और समाज में प्रतिष्ठा दिलाता है। |
| पाश योग    | नभस योग (संख्या) | सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि | सातों ग्रहों का पाँच राशियों में स्थित होना पाश योग बनाता है, जो परिवार व सेवकों के सहयोग से ईमानदार धनार्जन का सूचक है।                                |

## विंशोत्तरी महादशा

|                  |                                          |
|------------------|------------------------------------------|
| चंद्रमा          | वृषभ 18°56'                              |
| नक्षत्र          | रोहिणी (पाद 3)                           |
| वर्तमान महादशा   | बृहस्पति दिसंबर 2018 – दिसंबर 2034       |
| वर्तमान अंतर्दशा | केतु नवंबर 2025 – अक्टूबर 2026           |
| योगिनी दशा       | सिद्धा — शुक्र दिसंबर 2021 – दिसंबर 2028 |
| योगिनी अंतर्दशा  | भ्रामरी — मंगल जनवरी 2026 – अक्टूबर 2026 |
| तिथि के अनुसार   | 09-10-2026                               |

| महादशा   | वर्ष | आरंभ तिथि  | समाप्ति तिथि | स्थिति |
|----------|------|------------|--------------|--------|
| चंद्रमा  | 10   | 04-12-1983 | 03-12-1993   | गत काल |
| मंगल     | 7    | 03-12-1993 | 03-12-2000   | गत काल |
| राहु     | 18   | 03-12-2000 | 03-12-2018   | गत काल |
| बृहस्पति | 16   | 03-12-2018 | 03-12-2034   | सक्रिय |
| शनि      | 19   | 03-12-2034 | 03-12-2053   | आगामी  |
| बुध      | 17   | 03-12-2053 | 03-12-2070   | आगामी  |
| केतु     | 7    | 03-12-2070 | 03-12-2077   | आगामी  |
| शुक्र    | 20   | 03-12-2077 | 03-12-2097   | आगामी  |
| सूर्य    | 6    | 03-12-2097 | 05-12-2103   | आगामी  |

## सक्रिय महादशा की अंतर्दशाएं

| अंतर्दशा | आरंभ तिथि  | समाप्ति तिथि | स्थिति |
|----------|------------|--------------|--------|
| बृहस्पति | 03-12-2018 | 21-01-2021   | गत काल |
| शनि      | 21-01-2021 | 04-08-2023   | गत काल |
| बुध      | 04-08-2023 | 09-11-2025   | गत काल |
| केतु     | 09-11-2025 | 16-10-2026   | सक्रिय |
| शुक्र    | 16-10-2026 | 16-06-2029   | आगामी  |
| सूर्य    | 16-06-2029 | 04-04-2030   | आगामी  |

| अंतर्दशा | आरंभ तिथि  | समाप्ति तिथि | स्थिति |
|----------|------------|--------------|--------|
| चंद्रमा  | 04-04-2030 | 04-08-2031   | आगामी  |
| मंगल     | 04-08-2031 | 10-07-2032   | आगामी  |
| राहु     | 10-07-2032 | 03-12-2034   | आगामी  |

## द्वादश भाव फल विवेचन

यह खंड हमारे नियम-आधारित इंजन ने आपकी कुंडली से सीधे पढ़ा है (स्थितियाँ और शास्त्रीय फल), किसी AI मॉडल ने नहीं लिखा।

- **प्रथम भाव — कन्या** (शरीर, व्यक्तित्व और आत्म-बोध): भावेश बुध सिंह राशि में, द्वादश भाव में स्थित है। इसमें कोई ग्रह स्थित नहीं है।
- **द्वितीय भाव — तुला** (धन, वाणी और कुटुंब): भावेश शुक्र कर्क राशि में, एकादश भाव में स्थित है। इसमें यम स्थित हैं।
- **तृतीय भाव — वृश्चिक** (पराक्रम, सहोदर और लघु यात्राएँ): भावेश मंगल मेष राशि में, अष्टम भाव में स्थित है। इसमें कोई ग्रह स्थित नहीं है।
- **चतुर्थ भाव — धनु** (घर, माता और मानसिक शांति): भावेश बृहस्पति कर्क राशि में, एकादश भाव में स्थित है। इसमें अरुण, वरुण, शनि स्थित हैं।
- **पंचम भाव — मकर** (बुद्धि, शिक्षा और संतान): भावेश शनि धनु राशि में, चतुर्थ भाव में स्थित है। इसमें राहु स्थित हैं।
- **षष्ठ भाव — कुंभ** (स्वास्थ्य, ऋण और शत्रु): भावेश शनि धनु राशि में, चतुर्थ भाव में स्थित है। इसमें कोई ग्रह स्थित नहीं है।
- **सप्तम भाव — मीन** (जीवनसाथी और साझेदारी): भावेश बृहस्पति कर्क राशि में, एकादश भाव में स्थित है। इसमें कोई ग्रह स्थित नहीं है।
- **अष्टम भाव — मेष** (आयु, परिवर्तन और गुप्त विषय): भावेश मंगल मेष राशि में, अष्टम भाव में स्थित है। इसमें मंगल स्थित हैं।
- **नवम भाव — वृषभ** (भाग्य, धर्म और पिता): भावेश शुक्र कर्क राशि में, एकादश भाव में स्थित है। इसमें चंद्रमा स्थित हैं।
- **दशम भाव — मिथुन** (कर्म, व्यवसाय और प्रतिष्ठा): भावेश बुध सिंह राशि में, द्वादश भाव में स्थित है। इसमें कोई ग्रह स्थित नहीं है।
- **एकादश भाव — कर्क** (आय, लाभ और मित्र): भावेश चंद्रमा वृषभ राशि में, नवम भाव में स्थित है। इसमें बृहस्पति, शुक्र, केतु, सूर्य स्थित हैं।
- **द्वादश भाव — सिंह** (व्यय, एकांत और मोक्ष): भावेश सूर्य कर्क राशि में, एकादश भाव में स्थित है। इसमें बुध स्थित हैं।

## ग्रह फल विवेचन

यह खंड हमारे नियम-आधारित इंजन ने आपकी कुंडली से सीधे पढ़ा है (स्थितियाँ और शास्त्रीय फल), किसी AI मॉडल ने नहीं लिखा।

इस खंड में आपकी कुंडली के तथ्य दिए गए हैं। शास्त्रीय फल का विस्तृत पाठ केवल अंग्रेज़ी रिपोर्ट में उपलब्ध है।

- **सूर्य — कर्क, एकादश भाव:** कारकत्व: आत्मा, अधिकार और पिता।
- **चंद्रमा — वृषभ, नवम भाव:** कारकत्व: मन, भावना और माता।
- **मंगल — मेष, अष्टम भाव:** कारकत्व: ऊर्जा, साहस और कर्म।
- **बुध — सिंह, द्वादश भाव:** कारकत्व: वाणी, बुद्धि और व्यापार।
- **बृहस्पति — कर्क, एकादश भाव:** कारकत्व: ज्ञान, भाग्य और विस्तार।
- **शुक्र — कर्क, एकादश भाव:** कारकत्व: प्रेम, सुख और कला।
- **शनि — धनु, चतुर्थ भाव (वक्त्री):** कारकत्व: अनुशासन, श्रम और विलंब।
- **राहु — मकर, पंचम भाव:** कारकत्व: सांसारिक इच्छा और अचानक परिवर्तन।

- **केतु — कर्क, एकादश भाव (वक्त्री):** कारकत्व: वैराग्य, पूर्व-पुण्य और मोक्ष।

## आगामी बारह महीने: दशा-अंतर्दशा

**नवंबर 2025 – अक्टूबर 2026**    **बृहस्पति – केतु**  
(चल रही)

**अक्टूबर 2026 – जून 2029**    **बृहस्पति – शुक्र**

आपके जन्म-विवरण से गणना की गई, आगामी बारह महीनों में चलने वाली विंशोत्तरी अंतर्दशाएँ। यह मास-दर-मास भविष्यवाणी नहीं है। शास्त्रीय फल का पाठ केवल अंग्रेज़ी रिपोर्ट में है।

## ज्योतिषीय उपाय एवं वैदिक मंत्र

यह खंड हमारे नियम-आधारित इंजन ने आपकी कुंडली से सीधे पढ़ा है (स्थितियाँ और शास्त्रीय फल), किसी AI मॉडल ने नहीं लिखा।

### बने हुए योग

- **धन योग** — त्रिकोण (नवम) और लाभ (एकादश) भाव के स्वामियों के मध्य संबंध से शुभ धन योग बनता है, जो जीवन में निरंतर आय, संपत्ति और समृद्धि की वृद्धि कराता है।
- **राजयोग** — केंद्र और त्रिकोण के स्वामियों का शुभ युति या दृष्टि संबंध राजयोग का निर्माण करता है, जो उच्च अधिकार, करियर में उन्नति और समाज में प्रतिष्ठा दिलाता है।
- **पाश योग** — सातों ग्रहों का पाँच राशियों में स्थित होना पाश योग बनाता है, जो परिवार व सेवकों के सहयोग से ईमानदार धनार्जन का सूचक है।

### उपाय

- **जीवन रत्न (लग्नेश):** Emerald (Panna), धातु: सोना या चांदी, उँगली: दाहिने हाथ की कनिष्ठा।
- **शुभ रत्न (पंचमेश):** Blue Sapphire (Neelam), धातु: पंचधातु या लोहा, उँगली: दाहिने हाथ की मध्यमा।
- **भाग्य रत्न (नवमेश):** Diamond or White Sapphire, धातु: सोना या प्लैटिनम, उँगली: दाहिने हाथ की अनामिका या कनिष्ठा।
- **दशा मंत्र (बृहस्पति):** Om Gram Greem Groum Sah Gurave Namah (108 times daily)
- **दान (अंग्रेज़ी में):** Donate chickpeas (chana dal), turmeric, yellow cloth, or bananas on Thursday mornings.